Indira Gandhi National Open University

Regional Centre, 5-C/INS-1, Sector-5, Vrindavan Yojna, Telibagh, Lucknow - 226 024

Report of First Day Session of ECP for the learners of PGDHE Programme

IGNOU Regional Centre, Lucknow has organized an **Extended Contact Programme (ECP) for the learners of PGDHE Programme** from **Wednesday, 05th June, 2024** through face-to-face mode at the IGNOU LSC, S. S. PG College, Shahjahanpur. Inaugural Session has been attended by Meeting has been attended by **Dr. A. K. Mishra**, Resource Person and **Prof. Prabhat Shukla**, Coordinator, IGNOU Learner Support Centre – 27103, SS PG College, Shahjahanpur. Around 16 learners joined the Extended Contact Programme (ECP).

दस दिवसीय कार्यक्रम ई.सी.पी. का हुआ शुभारम्भ

उच्च शिक्षा प्रणाली दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी शिक्षा प्रणाली : डॉ.अवनीश

शाहजहांपुर । इग्नू अध्ययन केन्द्र स्वामी शुकदेवानन्द कालेज में उच्च शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में अध्ययनरत् विद्यार्थियों हेतु दस दिवसीय विस्तारित सम्पर्क कार्यक्रम ई.सी.पी. का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में उपस्थित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. अवनीश मिश्र ने कहा कि भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली दुनिया में तीसरी सबसे ब ी शिक्षा प्रणाली है जो लाखों विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करती है। यहाँ केन्द्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालयों तथा मुक्त विश्वविद्यालयों में लाखों विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि परिवर्तन अवश्यम्भावी है। शिक्षा क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों के साथ साथ शिक्षकों से भी अपेक्षा है कि वे भी अपने कौशल और दक्षताओं में परिवर्तन करते रहें जिससे देश की शिक्षा व्यवस्था विश्व पटल पर पुनः गुरुतर पद को पा सके। औपचारिक शिक्षा

के अन्तर्गत किसी शिक्षा संस्थान में एक व्यवस्थित, संरचित और संगठित अधिगम की प्रक्रिया सम्मिलित है। वर्तमान वैश्विक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ साथ कौशल का भी विकास किए जाने की बहुत जरूरी है। अध्ययन केन्द्र के समन्वयक डॉ प्रभात शुक्ल ने कहा कि उक्त पाठ्यक्रम उच्च शिक्षा संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों हेतु अत्यन्त उपयोगी है। यह शिक्षकों को उच्च शिक्षा की संरचना, उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्तीय प्रबन्धन, उच्च शिक्षा के नियामक निकाय, विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक आवश्यकता, शिक्षण दक्षताओं तथा शिक्षण कौशलों की जानकारी प्रदान कर शिक्षकों की दक्षता में वृद्धि करता है। इण्टर तक की शिक्षा पूर्ण कर जब विद्यार्थी किसी उच्च शिक्षा संस्थान में प्रवेश करता है तो उसके सामने विभिन्न शैक्षिक तथा समायोजन सम्बन्धी समस्याएं आती हैं तब शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों को इस समस्याओं हेतु उचित मार्गदर्शन प्रदान करें। पूर्व में कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश तिवारी ने तथा अन्त में सभी का आभार अरविन्द शुक्ल ने व्यक्त किया।

कहा कि परिवर्तन अवश्यम्भावी है।

कौशल से ही विकास का होना सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों के साथ साथ शिक्षक अपने कौशल और दक्षताओं में परिवर्तन करते रहें, जिससे देश की शिक्षा व्यवस्था विश्व पटल पर दोबारा गुरुतर पद को पा सके।

अध्ययन केंद्र के समन्वयक डा. प्रभात शुक्ल ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों के लिए अत्यन्त उपयोगी है।

इग्नू : दस दिवसीय विस्तारित संपर्क कार्यक्रम की शुरुआत

शाहजहांपुर। इग्नू अध्ययन केंद्र एसएस कॉलेज में स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिए दस दिवसीय विस्तारित संपर्क कार्यक्रम (ईसीपी) की शुरुआत हुई।

मुख्य अतिथि कॉलेज के सचिव डॉ. अवनीश मिश्र ने कहा कि भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी शिक्षा प्रणाली है, जो लाखों विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करती है। यहां केंद्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालयों तथा मुक्त विश्वविद्यालयों में लाखों विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों के साथ-साथ शिक्षकों से भी अपेक्षा है कि वे भी अपने कौशल और दक्षताओं में परिवर्तन करते रहें। इससे देश की शिक्षा व्यवस्था विश्व पटल पर पुनः गुरुतर पद को पा सकेगी। संवाद

अपना कौशल बढ़ाते रहें शिक्षक : अवनीश

जासं, शाहजहांपुर : एसएस कालेज के इग्नू अध्ययन केन्द्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए दस दिवसीय विस्तारित सम्पर्क कार्यक्रम शुरू हुआ। कालेज के पूर्व प्राचार्य डा. अवनीश मिश्र ने कहा कि देश की उच्च शिक्षा प्रणाली दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी शिक्षा प्रणाली है जो लाखों विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करती हैं। उन्होंने

- Senior Regional Director